मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 54 अंक 10 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अक्टूबर 2018 बहाई वर्ष : 175

विश्व न्याय मन्दिर

शासन–सूत्र का संचालन करने वाले अनेक नेताओं और प्रबुद्ध लोगों ने सार्वजनिक रूप से कहा––और कई बार निजी तौर पर इस बात पर जोर दिया––कि आज की दुनिया को बहाउल्लाह की संकल्पना की जरूरत है और यह कि बहाईयों द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं और उनका विस्तार किया जाना चाहिए।

–रिज़वान 2018

बिहारशरीफ़ में आयोजित विशेष गृहभ्रमण अभियान सम्पन्न

समुदाय निर्माण की प्रक्रिया को गतिज़ता प्रदान करने यथा–क्लस्टर विकास समिति का उन्मुखीकरण एवं नियमित प्रार्थना सभा की संख्या में उत्तरोत्तर इज़ाफ़ा दर्ज़ करने के उद्देश्य से 2 से 5 सितम्बर, 2018 को बिहारशरीफ़ लर्निंग साईट में महाद्वीपीय सलाहकार श्री दृगपाल सिंह की उपस्थिति में गृहभ्रमण अभियान का आयोजन राज्य बहाई परिषद, बिहार के तत्वावधान में किया गया, जिसमें बिहारशरीफ़ एवं उनके पड़ोसी समुदायसमूह राजगीर, बाढ़, नवादा एवं शेख़पुरा से कुल 25 मित्रों ने भाग लिया।

क्लस्टर विकास समिति, बिहारशरीफ़ के संचालन में कार्यक्रम का शुभारंभ बहाई प्रार्थनाओं एवं निगूढ़ वचन के सस्वर पाठ से किया गया तत्पश्चात् रूही पुस्तक–10 की इकाई–3 'एक क्षेत्रीय शिक्षण समिति पर सेवा देने का गतिविज्ञान' से चयनित कुछ महत्वपूर्ण भागों का अध्ययन किया गया। अध्ययनोपरांत प्रत्येक दिन दोपहर के भोजनोपरांत हरगावाँ एवं तेतरावाँ में गृह भ्रमण हेतु तीन–तीन तथा नेवाज़ीबिगहा, राजगीर एवं बिहारशरीफ़ के लिए एक–एक अर्थात कुल नौ दलों ने कूच किया।

ज्ञातव्य हो कि उक्त गृहभ्रमण के दौरान मित्रगण समुदाय के लोगों को यह समझने में मदद कर रहे थे कि ईश्वरीय विधान के एक नियम के रूप में प्रार्थना का कितना बड़ा महत्व है तथा प्रार्थना करना प्रत्येक मानवात्मा के लिए कितना अपरिहार्य है व सामाजिक रूपांतरण में इसकी कितनी बड़ी भूमिका है और यही कारण था कि गृहभ्रमण के दौरान न केवल प्रार्थना सभा की संख्या में वृद्धि हुई बल्कि कई समुदायों में बच्चों की कक्षा, किशोर समूह कक्षा तथा अध्ययनवृत कक्षा भी प्रारंभ की गईं। अपने टोला को परिपूर्ण करने के लिए तेतरावाँ समुदाय की लड़कियों ने अपने समुदाय की मूल–गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया तथा योजनाएँ भी बनाई कि कैसे इस चक्र के अंत तक बहुधा सभी घरों में प्रार्थना सभा का आयोजन

शेष पृष्ठ 3 पर



तेतरावाँ (बिहारशरीफ) की बहाई बाल कक्षाओं की शिक्षिकाएँ अपने गाँव की वास्तविकताओं को चित्रित करते हुए

इस अंक में

कोलकाता में बच्चों की बहाई कक्षाओं के सेमिनार का आयोजन

राज्य बहाई परिषद पश्चिम बंगाल द्वारा कोलकाता के बहाई भवन में बच्चों की बहाई कक्षाओं पर 13 से 19 सितम्बर, 2018 तक एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के लगभग 34 मित्रों ने भाग लिया।



कोलकाता में आयोजित सेमिनार के दौरान समूहों में अध्ययन करते हुए

मित्रों ने सेमिनार के पहले दिन प्रार्थनाओं के उपरान्त एक–दूसरे के बारे में जानकारी हासिल की और पिछले सेमिनार के दौरान प्राप्त उपलब्धियों और चुनौतियों तथा वर्तमान स्थिति के बारे में बताया। दूसरे दिन श्री लिटोन रॉय ने जीवन में प्रतिदिन प्रार्थना करने के महत्व के बारे में बताया। उसके उपरान्त मित्रों ने पिछले दिन जो गतिविधियाँ की थीं उनकी समीक्षा की और अपने प्राप्त अनुभव एक–दूसरे के साथ साझा किए। अनुभव साझा करने के बाद उपस्थित प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया और ग्रेड–2 की पुस्तक के सेट–1 का अध्ययन किया गया।

तीसरे दिन सहायक मण्डल सदस्य श्रीमती सौम्या यासमीन निपा ने अनिवार्य प्रार्थना के विषय में चर्चा की। इस बात पर भी परामर्श किया गया कि प्रत्येक शिक्षक और उसी दौरान बच्चों के घरों में भक्तिपरक बैठकें कैसे शुरू की जा सकती हैं। यह निर्णय लिया गया कि क्लस्टर विकास समिति, क्लस्टर संस्थान दल, शिक्षकों के दल और परिवार दल के साथ गृहभ्रमण किया जायेगा। शिक्षक दल नियमित रूप से बच्चों के घरों का और संयोजक शिक्षकों के घरों का भ्रमण करेंगे। उपस्थित मित्रों ने झालदा–2 क्लस्टर से

शेष पृष्ठ 4 पर



कोलकाता में आयोजित सेमिनार के प्रतिभागी

मणिपुर और मिजोरम में आयोजित कार्यक्रमों की झलक

• क्षेत्रीय बहाई परिषद मणिपुर एवं मिजोरम ने इम्फाल के बहाई भवन में क्षेत्रीय स्तर पर एसआरपी 3.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 अगस्त, 2018 को आयोजित किया, जिसमें क्षेत्रीय संस्थान समन्वयक, सहायक मंडल सदस्य, क्लस्टर विकास संयोजक, क्षेत्रीय परिषद के सदस्य, होमफ्रंट पायनीयर, संस्थान सहयोगी और प्रशिक्षण संस्थान मंडल के सदस्यों सहित 19 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

पिछले तीन महीनों में प्रेरणादायक अनुभव के क्षणों को साझा करके समझ को बढ़ाया और अधिक समर्पित तरीके से प्रभुधर्म की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। मित्रों ने पिछले तीन महीनों के दौरान सेवा के पथ पर चलने के अपने हृदयस्पर्शी अनुभव साझा किए।



एसआरपी 3.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

अनुभव साझा करने के बाद, 'सांख्यिकी एकत्र और उपयोग करने के लिए क्षमता निर्माण' और 'आंकड़े के केन्द्र' दो सामग्रियों का अध्ययन किया गया। अध्ययन बहुत रोमांचक था क्योंकि क्लस्टर की वर्तमान वास्तविकता के साथ प्रत्येक अनुच्छेद को जोड़ने की कोशिश की गई कि इस क्षेत्र की एजेंसियाँ कैसे आंकड़े एकत्र करने, आंकड़े साझा करने और आंकड़ों के उपयोग के अभ्यास में अग्रणी हैं। इस बीच, कुछ मित्रों ने आंकड़ों के विश्लेषण की चुनौतियों पर अपनी चिंता जाहिर की जिस पर अध्ययन सामग्री द्वारा बहुमूल्य सहायता और विषय में अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। आंकड़ों की अचूकता इसके महत्व और प्रभाव पर चर्चा की गई। मित्रों को एहसास हुआ कि प्रत्येक गतिविधि के लिए हमें शुरूआत से ही प्रणाली की दक्षता सुनिश्चित करने के लिए पंजीकरण के समय आंकड़े संग्रह करने की आवश्यकता होती है। आंकड़े के केन्द्र के बनने पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पत्र पर संक्षेप में अध्ययन और परामर्श किया गया, जहाँ उसने संबंधित सीडबेड और उसके आस–पास के समूहों के कम्प्यूटर में सभी आंकड़े दर्ज करने के लिए मानवसंसाधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। क्लस्टर स्तर पर कुछ मानव–संसाधनों की भी पहचान की गई।



चुराचंदपुर क्लस्टर में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

इसके अलावा, इस क्षेत्र में 3 क्लस्टर–इम्फाल, खंगाबोक और पंगांताबी के लिए एक योजना तैयार की जिनके लिए कम्प्यूटर एसआरपी का उपयोग करने के लिए पहले से ही उपलब्ध है। साथ ही, दो और समूहों की पहचान की गई, जिनके लिए कम्प्यूटर की आवश्यकता को प्रस्तावित बजट में रखा गया है। ये दो क्लस्टर कुम्बी और वाबगई हैं।

श्री विकी द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से आंकड़े संग्रह, विश्लेषण और उपयोग में क्लस्टर स्तर पर क्षमता–निर्माण की प्रक्रिया पर मित्रों की समझ को उजागर किया। सभी प्रतिभागी बहुत उत्साही थे और वे सभी पूरे सत्र में बने रहे। मित्रों ने बताया कि सत्र बहुत उपयोगी और चित्ताकर्षक रहा।



वाबगई क्लस्टर में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

कार्य योजना तैयार की गई, विशेष रूप से इम्फाल, खंगाबोक और पंगांताबी के तीन समूहों और इन तीनों के प्रत्येक पड़ोसी क्लस्टर के लिए।

• चुराचंदपुर क्लस्टर : कुंबी के दो बहाई मित्रों सहित ग्यारह और एक अभिभावक ने खुगा तम्पाक, चुराचंदपुर के युवा सम्मेलन में भाग लिया। प्रार्थनाओं के बाद पहले विषय का लगभग तीन घंटों तक अध्ययन किया गया। नये युवा प्रतिभागियों ने कई प्रश्न पूछे, जैसे कि बहाउल्लाह के माता–पिता के नाम क्या हैं, भगवान की पूजा कैसे करें। युवा सम्मेलन के अलावा उन्होंने प्रगतिशील प्रकटीकरण, संविदा और प्रार्थनाओं के महत्व जैसे विषयों पर परामर्श किया।

• वाबगई क्लस्टर : तीन नये युवाओं सहित 5 युवाओं के साथ एक युवा सम्मेलन आयोजित किया। इन तीन नये युवाओं के निवास पर 2 भक्तिपरक बैठकें शुरू हुईं। उन्होंने अपने मित्रों के साथ सम्पर्क किया और युवा सम्मेलन के आनन्ददायक अनुभवों और सीखों को उनके साथ बांटा और एक अन्य युवा सम्मेलन करने की योजना भी बनाई।



कुम्बी क्लस्टर में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

• कुम्बी क्लस्टर : कुंबी क्लस्टर के टेराखोंग क्षेत्र में युवाओं के लिए एक सभा आयोजित की गई। टेराखोंग के क्लस्टर विकास सहयोगी तथा स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने इसे सफल बनाने की पहल की। इसमें दो युवाओं (जिन्होंने रूही पुस्तक–1 और 3 का पाठ्यक्रम पूरा किया और बीसीसीपी शिक्षकों के रूप में कार्यरत थे) सहित बारह युवाओं ने भाग लिया था। कुछ प्रार्थनाओं के बाद, युवाओं के लिए विशेष प्रार्थना की और फिर उन दो युवाओं (बीसीसीपी के शिक्षकों) द्वारा अनुभवों को साझा किया गया।

पुदुचेरी के कराईकल में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

कराईकल के तीन अलग–अलग कॉलेजों के 350 छात्रों के लिए कराईकल के लायंस क्लब ने "नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास" पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

पहले दिन का कार्यक्रम 11 सितम्बर 2018 को सरकारी महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में आयोजित किया गया। कराईकल स्थानीय आध्यात्मिक सभा के कोषाध्यक्ष और लायंस क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री पी. बी. के. सेलवामणि ने स्वागत भाषण दिया।

कराईकल की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के अध्यक्ष श्री तिरूपथी ने उद्धरण के आधार पर गुण विकसित करने के बारे में संबोधित किया 'सत्यवादिता सभी मानवीय गुणों का आधार है।' लगभग सौ लड़कियाँ इस कार्यशाला से लाभांवित हुईं। कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री बाबू अशोक और प्रोफेसरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

12 सितम्बर 2018 को दूसरा कार्यक्रम अरिग्नर अन्ना आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज में आयोजित किया गया। श्री एम. तिरूपथी ने सत्यवादिता के आधार पर वक्तव्य दिया। इस कार्यक्रम में सौ छात्रों ने भाग लिया। इस कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री के. गुनसेगरन एवं प्रोफेसरों और कुछ शुभचिंतकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

उसी दिन दोपहर अव्वय्यार महिला आर्ट्स कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई। श्री एम. तिरूपति ने पुरुषों और महिलाओं की समानता के बारे में बताया और चरित्र निर्माण पर जोर दिया। इसमें लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया। कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री ए. कल्याणसुंदरम एवं कुछ प्रोफेसर और अन्य शुभचिंतक इस कार्यक्रम में शामिल थे।

कराईकल की स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने मूलगतिविधियों के विकास में इन युवाओं का उपयोग करने के लिए नामांकन करने पर परामर्श किया और योजना बनाई। इसके लिए कराईकल बहाई भवन में 30 सितम्बर को एक सभा का आयोजन किया गया और अन्ना आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज से 20 छात्रों को आमंत्रित किया गया। यह बैठक इन छात्रों के साथ अच्छे संबंध रखने और रूही पाठ्यक्रमों में नामांकन करने के लिए जिज्ञासु आत्माओं की पहचान करने में मदद करेगी। यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया होगी जो 15 दिनों बाद फिर 20 छात्रों के एक समूह के साथ जारी रहेगी। विभिन्न समूहों के लिए दिसम्बर 2018 के अंत तक 3 महीने के लिए योजना बनाई गई।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर

जैसे–जैसे दुनिया के हर भाग में प्रभुधर्म के कार्य फैलते जा रहे हैं वैसे–वैसे बहाई विश्व केन्द्र की प्रभावशाली कार्यविधि का महत्व बढ़ता जा रहा है। प्रभुधर्म के विश्व केन्द्र का वर्णन शोगी एफेंदी द्वारा कुछ इन शब्दों में किया गया है : विश्व केन्द्र "नई विश्व व्यवस्था की एजेंसियों की धुरी है," यह विविध देशों से आये अनुयायियों के निरन्तर प्रवाह से सम्बलित है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा की एक निश्चित अवधि के लिये आते हैं, जो अवधि भिन्न–भिन्न हुआ करती है। विश्व केन्द्र में स्टॉफ की ज़रूरत विभिन्न कामों के लिये होती है, जो उपलब्ध संसाधनों और बढ़ती हुई ज़रूरतों के आधार पर निर्भर करते हैं। किसी ख़ास समय में सुयोग्य और प्रशिक्षित व्यक्तियों की ज़रूरत होती है। तो किसी अन्य समय में सामान्य काम–काज के लिये ज़रूरत होती है। विश्व केन्द्र में सेवा की प्रकृति के कारण 12 महीने या अधिक समय के लिये यह ज़रूरत पड़ती है। इच्छुक व्यक्ति को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिये।

सेवा देने के इच्छुक किसी भी मित्र को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि सीधे तौर पर https:/bahai.org/service/ पर अपना आवेदन भेज कर कार्मिक विभाग से सम्पर्क करे।

बिहारशरीफ़ में आयोजित विशेष गृहभ्रमण अभियान सम्पन्न

पृष्ठ 1 का शेष

सुनिश्चित हो सके।

हरगावाँ समुदाय में गृहभ्रमण के दौरान समुदाय के मित्रगण काफी उत्साहित नज़र आ रहे थे। ख़ासकर लड़कियाँ प्रार्थना सभा में काफी बढ़–चढ़कर भाग ले रही थीं। इसी समुदाय के श्री विनोद कुमार स्वर्णकार एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों ने अपने घर में आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान यह उद्गार व्यक्त किया कि मेरे परिवार में बेहतर माहौल बनाने में प्रार्थना सभा एवं बहाई गतिविधियों का योगदान सर्वोपरि है क्योंकि इसके पहले मेरे परिवार में छोटी–छोटी बातों पर अक्सर नोक–झोंक हो जाया करती थी। इसी प्रकार, सुश्री सुमन कुमारी जो कि बहाई गतिविधियों से अब तक पूरी तरह अनभिज्ञ थी प्रार्थना सभा की महत्ता को अंगीकार कर अपने घर में प्रार्थना सभा आयोजित करने की जिज्ञासा व्यक्त की। अतएव, उनके घर में भी प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए। प्रसन्नता की बात यह है कि बहुधा सभी व्यक्तियों ने अपने–अपने घरों में नियमित प्रार्थना सभा आयोजित करने का संकल्प लिया।

प्रतिभागीगण दोपहर तक अध्ययन करते थे तथा उसके बाद भोजनोपरांत कुछ चिन्हित समुदाय में गृहभ्रमण के लिए निकलते थे। साथ ही, अगले दिन के प्रथम सत्र में उसकी समीक्षा की जाती थी। इतना ही नहीं बल्कि गृहभ्रमण अभियान के तीसरे दिन मित्रों ने प्रार्थना सभा की संख्या में संवृद्धि हेतु कुछ योजनाएँ भी विनिर्मित कीं।

कार्यक्रम के आख़िरी दिन उपक्षेत्रीय संयोजक एवं विकास सहयोगी के साथ भी विशेष परामर्शी बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें महाद्वीपीय सलाहकार श्री दृगपाल सिंह ने मित्रों के मध्य विचारों की एकता बनाये रखने तथा निर्दिष्ट लक्ष्य की अधिप्राप्ति हेतु श्रमसाध्य प्रयास करने व त्याग–समर्पण विषयक कई अवधारणाओं पर विशेष अन्तर्दृष्टि प्रदान की।

बैठक में उपस्थित मित्रों ने परामर्शोपरांत यह सुनिश्चित किया कि सम्प्रति, बिहारशरीफ़ उपक्षेत्र के 37 समुदाय में कुल 434 गतिविधि हैं जो वर्तमान पाँच वर्षीय योजना के अंत तक 60 समुदाय में विस्तारित होंगी तथा गतिविधियों की संख्या लगभग 2250 हो जायेगी। उस समय तक अकेले बिहारशरीफ़ में कुल 1500 गतिविधि स्थापित करने का लक्ष्य है। इसी प्रकार, इस पाँच वर्षीय योजना के अंत तक संस्था एवं एजेंसियों की संख्या में भी अभूतपूर्व वृद्धि होने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, हरगावाँ एवं तेतरावाँ समुदाय को परिपूर्ण करने से संदर्भित पहलुओं पर भी चर्चा की गई। चर्चा के क्रम में महाद्वीपीय सलाहकार ने इसके लिए किये जाने वाले आवश्यक कार्यों के बारे में बताया। इतना ही नहीं, बल्कि उपक्षेत्रीय संयोजकों एवं विकास सहयोगियों में से पाँच–पाँच लोगों का एक ऐसा दल तैयार किया जा सकता है जो रूही पुस्तक–1 एवं 5 का तथा 1 एवं 3 का अध्ययन सुगमतापूर्वक कराये, ताकि कम समय में शिक्षकों एवं अनुप्रेरकों का एक दल तैयार किया जा सके। साथ ही, उपक्षेत्रीय संयोजकों एवं विकास सहयोगियों को जो सीख एवं अन्तर्दृष्टि इस गृहभ्रमण अभियान के दौरान प्राप्त हुई है उसे वे क्लस्टर संयोजक, विकास सहयोगी एवं समुदाय के अन्य मित्रों के साथ भी साझा करें ताकि समुदाय एवं टोला के स्तर पर एक ऐसा दल तैयार किया जा सके जो प्रार्थना सभा की संख्या में वृद्धि कर सके व समुदाय को अपनी क्षमतानुसार आगे बढ़ने में मदद कर सके। इसके अतिरिक्त, सांख़्यिकी को प्रणालीबद्ध करने यथा– उसके एकत्रीकरण एवं उपयोग पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के आग़ाज से लेकर अंत तक परिषद सचिव, श्री ओम नमः शिवाय सिंह; प्रशिक्षण संस्थान के सचिव, श्री राहुल कुमार; सोल के कार्यक्रम संयोजक, श्री संदीप कुमार मल्लिक एवं लर्निंग साईट से संबद्ध, श्री रोहित तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

चंडीगढ़ में श्रीमद् भगवत गीता और बहाई धर्म पर विशेष कक्षा का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर ने 31 अगस्त से 2 सितम्बर, 2018 तक चंडीगढ़ बहाई भवन में श्रीमद् भगवत गीता और बहाई धर्म पर एक विशेष कक्षा का आयोजन किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली तथा बांग्लादेश के दो मित्रों सहित 70 से अधिक लोगों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। इस कक्षा का संचालन डॉ. आर. एस. यादव द्वारा किया गया, जिसमें विस्तरित ज्ञान के माध्यम से उपस्थित मित्रों को प्रबुद्ध किया गया। श्रीमद् भगवत गीता के सभी अठारह अध्यायों से चयनित श्लोकों को पढ़ा गया और बहाई लेखों से संबंधित उद्धरणों को संदर्भित किया गया। इस युग के लिए ईश्वरावतार, बहाउल्लाह के सर्वोच्च स्थान का महत्व गीता के प्रकटीकरण के माध्यम से स्थापित किया गया।

'कर्म' के आधार पर गीता का दर्शन बहाई लेखों से जोड़ा गया और मित्रों को प्रभुधर्म की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह महसूस किया गया कि सभी धर्मों का गहन ज्ञान रखते हुए ही हम प्रभुधर्म को सम्मानित तरीके से प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकते हैं। डा. यादव ने जोर देकर कहा कि आज के लिए किताब–ए–अक़दस हमारी गीता है और किसी को भी हिन्दू (और अन्य जैसे कुरान) और बहाई शास्त्रों के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने उपस्थित सभी मित्रों में से प्रत्येक को बाब की द्वि–शताब्दी और साथ ही, पांच वर्षीय योजना के शेष बचे वर्षों के लिए अपनी सर्वोत्तम सेवायें प्रदान करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. यादव का व्याख्यान सुनने के बाद प्रत्येक प्रतिभागी बहुत प्रेरित हुआ और प्रभुधर्म की सेवा करने के लिए बहुत उत्साहित और प्रोत्साहित था।


श्रीमद् भगवत गीता और बहाई धर्म पर आयोजित कक्षा के प्रतिभागी

निवेदन

मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें अपने बहाई समाचारपत्र में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

कोलकाता में बच्चों की बहाई कक्षाओं के सेमिनार का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

सीखा कि वे कैसे वहाँ चल रहीं 745 भक्तिपरक बैठकों को बनाये रखने में सक्षम हैं। उन्होंने भक्तिपरक बैठकें शुरू करने से पहले परिवारों से प्रार्थना के महत्व के बारे में चर्चा की। धीरे–धीरे परिवारों ने भक्तिपरक बैठकों की अपने घरों में शुरूआत की। प्रतिभागी दो समूहों में विभाजित हुए और एक समूह ने शिक्षक सम्मेलन के लिए डायमंड हार्बर का तथा दूसरे समूह ने बच्चों की नई बहाई कक्षा स्थापित करने के लिए दक्षिण दुर्गापुर का भ्रमण किया।

चौथे दिन परिषद सचिव श्री सैयद अली ने बहाई विवाह के बारे में अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने बहाई विवाह पर एक पुस्तक का वितरण भी किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने पिछले दिन किये भ्रमण के बारे में अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया। इस दल ने बहाई गुलिस्तान का भी भ्रमण किया और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थनायें कीं। क्षेत्र में किये गए भ्रमण के अनुभव को साझा करने के बाद मित्रों ने ''भारत के सभी क्षेत्रों में बच्चों की बहाई कक्षाओं के कार्यक्रम को व्यवस्थित करने'' नाम के प्रपत्र का अध्ययन किया। इस प्रपत्र के अध्ययन के दौरान श्यामपुर गांव की वास्तविकता का भी अध्ययन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों ने जाना कि वे गांव की वास्तविकता का अध्ययन कैसे कर सकते हैं।

सेमिनार के पांचवे दिन प्रार्थनाओं के बाद श्री मोनीशंकर मैती ने हुकूकुल्लाह–ईश्वर का अधिकार पर अपना वक्तव्य दिया। उसके बाद ''भारत के सभी क्षेत्रों में बच्चों की बहाई कक्षाओं के कार्यक्रम को व्यवस्थित करने'' नामक प्रपत्र के अध्ययन को जारी रखा। इस प्रपत्र का अध्ययन करने के बाद ''प्रशिक्षण संस्थान : उच्च स्तरीय कार्य प्रणाली को प्राप्त करना''– बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा के लिए कार्यक्रम– नामक दस्तावेज का अध्ययन किया गया। शाम को आगामी छह महीनों के लिए योजना भी बनाई गई।

अगले दिन सहायक मण्डल सदस्य श्री सुनिर्मल महातो ने पीठ पीछे निंदा करने के विषय पर अपना संभाषण दिया। मित्रों ने ग्रेड–2 के सेट–2 का अध्ययन पूर्ण किया और शाम के सत्र में योजना बनाई गई।

अंतिम दिन सहायक मण्डल सदस्य श्री सिब्किा बराक ने उपवास के महत्व के बारे में बताया। उसके उपरान्त मित्रों द्वारा बच्चों के शिविर का आयोजन करने के लिए योजना बनाई गई। यह शिविर गांव के स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। अगले दो चक्रों में जो बच्चे किशोर हो जाएंगे या फिर जो पहले से ही किशोर हैं लेकिन बच्चों की कक्षा में भाग ले रहे हैं उनकी पहचान की जाएगी और शेष अध्यायों को परिस्थिति के अनुसार सप्ताह में 2–3 घंटे या पूरा दिन अध्ययन कराया जायेगा। पहचान किये गये बच्चों के लिए शिविर को चार स्थानों–बांग्लादेश, त्रिपुरा, मानबाजार–1 और झालदा–2 में बांटा गया और एक विस्तरित परामर्श के बाद इनके लिए योजना भी बनाई गई।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.10. 2018
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)